मुंह मांगा फल है मिलता जयकारा माँ का बोल के लिरिक्स

मुंह मांगा फल है मिलता,
जयकारा माँ का बोल के,
हर एक संकट टलता,
जयकारा मां का बोल के।bd।

श्रद्धा भक्ति से जगाई,
जिन्होंने मां की ज्योति,
उसके आंगन में सुखों की,
सदा ही बारिश होती,
दु:ख के कांटे फूल है बनते,
कंकर बनते मोती,
उनकी आशा का बगीचा,
पतझड़ में भी खिलता,
जयकारा मां का बोल के,
मुँह मांगा फल हैं मिलता,
जयकारा मां का बोल के।bd।

मन के मंदिर में बिठा ली,
जिन्होंने अंबे रानी,
मां ने ऐसे भक्तों की 'लक्खा',
हर एक बात है मानी,
कल तक जो थे दान मांगते,
आज बने महादानी,
कुटिया जैसा उनका घर तो,
शीशमहल सा बनता,
जयकारा मां का बोल के,
मुँह मांगा फल हैं मिलता,
जयकारा मां का बोल के।bd।

मां के चरणों से जुड़ जाओ,
तोड़ के बंधन झूठे,
नाम की दौलत को ना जग में,
कोई लुटेरा लूटे,
दुनिया रूठे तो नहीं चिंता,
मैया कभी ना रूठे,
सच्ची भक्ति के जादू से,
पत्थर भी है तरता,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के है आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जयकारा मां का बोल के,
मुँह मांगा फल हैं मिलता,
जयकारा मां का बोल के।bd।

मुंह मांगा फल है मिलता,
जयकारा माँ का बोल के,
हर एक संकट टलता,
जयकारा मां का बोल के।bd।

गायक – लखबीर सिंह लख्खा जी।
प्रेषक – हरिओम 9368454723

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com